सीएसआईआर-सीरी द्वारा जिज्ञासा विज्ञान महोत्सव 2022 के अंतर्गत बूट कैंप का आयोजन

सीएसआईआर-सीरी में जिज्ञासा विज्ञान महोत्सव 2022 के अंतर्गत वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में सुप्रसिद्ध जिनोम वैज्ञानिक डॉ अनुराग अग्रवाल का आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। सीएसआईआर की नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला - जिनोमिकी एवं समवेत जीवविज्ञान संस्थान (आईजीआईबी), के डॉ अनुराग अग्रवाल ने **नॉट सो एलिमेन्ट्री : ए आई एंड हेल्थ** विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। वेबिनार के माध्यम से डॉ अनुराग अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं व संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों को संबोधित किया।

स्वागत उद्बोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक,सीएसआईआर-सीरी

वेबिनार की अध्यक्षता **डॉ पी सी पंचारिया,** निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के निदेशक ने की। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने डॉ अनुराग अग्रवाल को देश में जिनोमिक्स के क्षेत्र में प्रमुख हस्ताक्षर बताया। डॉ पंचारिया ने कहा कि डॉ अनुराग अग्रवाल देश में जिनोम सीक्वेंसिग के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी श्रोता डॉ अनुराग के व्याख्यान से लाभान्वित होंगे।

आमंत्रित व्याख्यान में **डॉ अनुराग अग्रवाल** ने श्रोताओं को रोगों के निदान व उपचार में ए आई और जिनोमिक्स के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि कोविड के शुरुआती दौर में जब अल्फा वेरिएंट अपने पैर पसार रहा था, उस समय सीएसआईआर-सीरी की टीम ने आईजीआईबी व अन्य सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की टीमों के साथ मिलकर ए आई मॉडल का उपयोग करते हुए सीने की एक्स-रे इमेज से कोरोना का लिक स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स अपने आरंभिक दौर की तुलना में बहुत विकसित हो चुकी है परंतु अभी भी इसमें विकास की असीमित संभावनाएँ हैं।

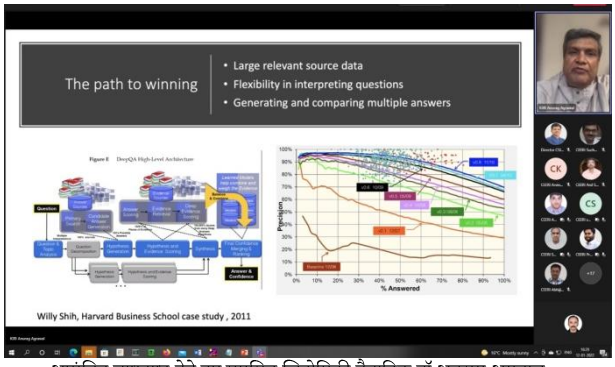

आमंत्रित व्याख्यान देते हुए सुप्रसिद्ध जिनोमिकी वैज्ञानिक डॉ अनुराग अग्रवाल

वेबिनार का संचालन करते हुए बूट कैंप के मेन्टर ऑफ चेंज **श्री प्रमोद कुमार तँवर, प्रधान वैज्ञानिक** ने डॉ अनुराग अग्रवाल का औपचारिक परिचय दिया। कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि देश की किशोर जनशक्ति को वैज्ञानिक नवाचार की ओर आकर्षित करने और उद्यमिता (आंत्रप्रन्योरशिप) के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना ही ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य है।

कार्यक्रम की पृष्ठभूमि से अवगत कराते हुए डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, एसडीपी एवं टीबीडी

इससे पूर्व **डॉ अभिजीत कर्माकर**, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, एसडीपी एवं टीबीडी ने बूट कैंप की पृष्ठभूमि से अवगत कराते हुए कहा कि जिज्ञासा विज्ञान महोत्सव 2022 के अंतर्गत बूट कैंप का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में किया जा रहा है। डॉ कर्माकर ने कहा कि अटल इनोवेशन मिशन द्वारा छात्रों के लिए यूट्यूब के माध्यम से वेबिनार की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के माध्यम से देश की युवा प्रतिभाओं को न केवल श्रेष्ठ वैज्ञानिकों एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञों से संवाद का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है अपितु उन्हें नवीनतम तकनीकों को सीखने व समझने का शानदार अवसर भी प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि बूट कैंप में प्रतिभागिता करने वाले पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रतिभागिता प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएँगे। व्याख्यान के उपरांत डॉ अभिजीत कर्माकर ने आमंत्रित व्याख्यान के लिए डॉ अनुराग अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

वैज्ञानिक क्विज़

आमंत्रित व्याख्यान के उपरांत छात्रों के लिए वैज्ञानिक क्विज़ का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों से ए आई, स्वास्थ्य और सामान्य विज्ञान संबंधी विषयों पर प्रश्न पूछे गए। क्विज़ का संचालन **डॉ गौरव पुरोहित, वरिष्ठ वैज्ञानिक** ने किया।

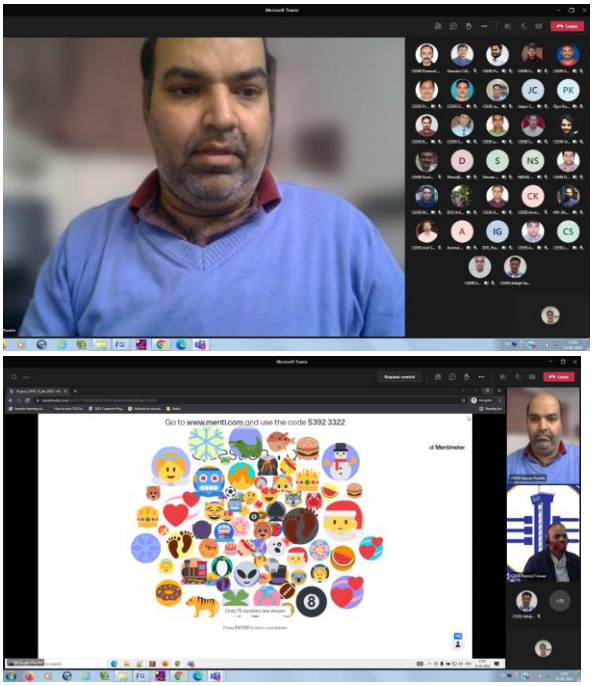

प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक क्विज़ का संचालन करते हुए
डॉ गौरव पुरोहित, वरिष्ठ वैज्ञानिक

समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

दैनिक भास्कर

शेखावाटी भास्कर

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी और जिनोमिक्स के जरिए रोगों के इलाज में मिल रही मदद

सीरी में विज्ञान महोत्सव में विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का महत्व

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान

सोमवार, 17 जनवरी, 2022 | 6 | जयपुर

रोग निदान एवं उपचार में एआई और जिनोमिक्स अत्यंत महत्वपूर्ण - डॉ अनुराग अग्रवाल

सीएसआईआर-सीरी द्वारा जिज्ञासा विज्ञान महोत्सव 2022 के अंतर्गत बूट कैंप का आयोजन